Pansare Mahavidyalaya
ARJAPUR 431711
Tq Biloli Dist Nanded

पानसरे महाविद्यालय, अर्जापूर, ता. बिलोली जि. नांदेड

हिंदी विभाग

Specify Course Outcome

उपन्यास और कहानी विधा से पूर्णत: ज्ञात होकर कथा—साहित्य की लेखन शैली से अवगत होना और कथा लेखन की ओर अग्रसर होना। साथ ही मानसिक और बौध्दिक स्तर पर परिष्कृत होना। मनुष्य के जीवन में कथाओं की परंपरा का महत्वपूर्ण स्थान है। आज हिंदी कथा साहित्य में कहानी और उपन्यास विधा मनुष्य की बौध्दिक तथा मानसिक क्षमता को परिष्कृत कर उन्हें समाज एवं राष्ट्रहित की ओर प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। युवा शक्ति को राष्ट्र विकास के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। अत: कहानी और उपन्यास के अध्ययन से एक ओर छात्रों को रचनाकारों की लेखन शैली का ज्ञात होत है तो दूसरी ओर कथा साहित्य में वर्णित विविध समस्याओं की जानकारी मिलती है। नाटक और एकांकी दृक—श्राव्य माध्यम की अत्यंत प्राचीन साहित्य की विधा है। जिसमें भाव भावना और विचारों का प्रतिपादन पात्राभिनय द्वारा होता है। नाटक तथा एकांकी विधा सें पूर्णत: ज्ञात होना तथा नाट्य साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करते हुए नाट्य सृजन की ओर उन्मुख होना, नाट्य साहित्य से होनेवाली रस निष्पत्ति का आनंद लेना नाटक और एकांकी का महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

हिंदी काव्य की विकास यात्रा में मध्ययुगीन काल के भक्ति काल एवं रीतिकालीन काव्य की विकास धारा की प्रवृत्तिगत विशेषताओं तथा भाषा शिल्प को समझाना। साथ ही हिंदी निबंध विधा के माध्यम से निबंध को समझना और निबंधकार के लेखन शैली से अवगत होना। हिंदी साहित्य के विविध विधाओं के विकास क्रम से परिचित होना और उनके माध्यम से सृजित लेखकों के विचारों से समझना। साथ ही नाटक के संवाद लेखन, वाचन कौशल से अवगत होना और अभिनय के प्रति आकर्षित होना तथा इस क्षेत्र की रोजगार उपलब्धता को भी समझना।

Pansare Mahavidyalaye
ARJAPUR
431711

हिंदी साहित्य में हिंदी साहित्य के इतिहास को समझना अत्याधिक महत्वपूर्ण है। चूंकि इतिहास की पुनरावृत्ति होती है इसलिए किसी भी साहित्य के इतिहास का अध्ययन भविष्यकालीन निर्माण में अत्यंत आवश्यक होता है। साहित्य की परिस्थितियां और प्रवृतियां हमारे वर्तमान जीवन को बनाने में सहयोग देती है। शिक्षा ज्ञानवर्धन का साधन है तथा सांस्कृतिक जीवन का माध्यम है। अपनी क्षमताओं को पूर्ण उपयोग करते हुए जीवन जीने की कला के साथ–साथ व्यक्तित्व के विकास का पथप्रर्शन भी है। भाषा शिक्षण के माध्यम से मनुष्य के भावों को समझना। भाषा मानवीय भावनाओं एवं विचारों को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है।

बदलते वैश्विक परिदृश्य में आज अर्थ महत्वपूर्ण हो गया है जिसके परिणामस्वरूप बाजारवाद को बढावा मिला है। अत: शिक्षा के क्षेत्र में भी पारंपारिक शिक्षा के साथ–साथ कौशल विकास के माध्यम से छात्रों को कार्यकुशल बनाना वर्तमान समय की मॉग है अस्तु स्नातक द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के छात्रों को हिंदी विकास कौशल का प्रश्नपत्र रखा गाया है।

Specify Program Outcome

कथा साहित्य :– Paper I & III

१. हिंदी साहित्य की कहानी और उपन्यास विधा से छात्रों को परिचित कराना।
२. कथा साहित्य की लेखन शैली से परिचित कराना।
३. कथा साहित्य के माध्यम से छात्रों की चिंतन तथा लेखन कौशल की क्षमता को विकसित करना।
४. विविध पात्रों की मानसिकता एवं क्रिया कलापों से छात्रों में सही और गलत को परखने की क्षमता विकसित करना।
५. कथा–साहित्य के माध्यम से छात्रों को विविध समस्याओं से अवगत कर उन समस्याओं के समाधान के लिए उन्हें प्रेरित करना।

नाटक तथा एकांकी :– Paper II & IV

१. नाटक और एकांकी विधा से परिचित करना।
२. नाटके के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।
३. संवाद लेखन और वाचन कौशल का विकास करना।

Pansare Mahavidyalaya
ARJAPUR
431711
Tq. Biloli Dist. Nanded

४. रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना।
५. अभिनय के प्रति आकर्षण निर्माण करना।
६. छात्रों को स्वयं नाटक खेलने के लिए प्रेरित करना।

साहित्य भारती — Paper I & II S. L. Hindi

१. द्वितीय भाषा के रूप में छात्रों को हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय देना।
२. रचनाओं में व्यक्त समस्याओं के समाधान के लिए छात्रों को प्रेरित कर नैतिक मूल्यों को स्थापित करना।
३. कहानी और काव्यों के माध्यम से छात्रों को परिष्कृत करना।
४. कालानुरूप कहानी और काव्य में आये परिवर्तन को समझना।
५. हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।
६. छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत करना।

मध्ययुगीन एवं आधुनिक कविता :— Paper V & VI

१. कविता के माध्यम से कवि मन को समझना।
२. मध्ययुगीन कविता के रचनाशिल्प को समझना।
३. आधुनिक कविता के माध्यम से आधुनिक कविता के रचनाशिल्प को समझना।
४. क्रांति की भावना को समझना तथा शोषणवृत्ति और गुलामी का विरोध करना।
५. नारी चेतना जागृति संदेश को समझना।
६. युध्द की भयावहता और परिणामों को समझना।

निबंध तथा कथेत्तर गद्य :— Paper VI & VII

१. निबंध लेखन की प्रवृत्ति को समझना।
२. हिंदी निबंध साहित्य के तत्व तथा विकासक्रम को समझना।
३. शारिरीक श्रम का महत्व समझते हुए मनुष्य की निकम्मी प्रवृत्ति का विरोध करना।
४. मानव सभ्यता के विकास में व्यापार के योगदान का सूक्ष्म अध्ययन करना।
५. साहित्य मनुष्य के राष्ट्र, देश, समाज या जन की आत्मा की प्रतिध्वनि को सृजित करता है।

कथेत्तर गद्य / नाटक तथा प्रयोजनमूलक हिंदी :— Paper III & IV S. L. Hindi

१. नाटक और एकांकी विधा से परिचित करना।
२. नाटके के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।
३. संवाद लेखन और वाचन कौशल का विकास करना।
४. रंगमंच से संबंधित जानकारी छात्रों को देना।
५. प्रयोजनमूलक हिंदी को समझना।
६. पत्रलेखन तथा अनुवाद को समझना।

हिंदी साहित्य का इतिहास :— Paper IX

१. हिंदी साहित्य के बृहत इतिहास का परिचय कराना।
२. भाषाई शिल्प के परिवर्तन को समझना।
३. साहित्यिक प्रवृत्तियों की परंपरा को समझना।
४. हिंदी साहित्य के सृजन की पृष्ठभूमि को समझना।
५. साहित्य के माध्यम से जीवनमूल्यों एवं जीवन दर्शन को समझना।
६. हिंदी साहित्य के आदिकाल तथा रीतिकाल का संक्षिप्त परिचय कराना।
७. भक्तिकाल तथा आधुनिक काल की प्रवृत्तियों को समझना।

भाषा शिक्षण :— Paper X

१. भाषा शिक्षण के महत्व को प्रतिपादित करना।
२. भाषाई शुध्दता एवं कुशलता के माध्यम से रोजगार के अवसर बढाना।
३. हिंदी भाषा के व्याकरणीक कोटियों को समझना।
४. बदलते भाषाई परिवेश में परंपरागत भाषाई मौलिकता और लोकभावनाओं को समझना।

साहित्य शास्त्र :— Paper X

१. साहित्य का शास्त्रिय पध्दति से अध्ययन करना।
२. शब्द और अर्थो के संबंधों को समझना।
३. साहित्य शास्त्र के महत्व को प्रतिपादित करना।
४. छात्रों में साहित्य के प्रति शास्त्रिय दृष्टिकोण विकसित करना।
५. आलोचना की मानवीय सहज प्रवृत्ति का साहित्यिक विश्लेषण करना।

हिंदी भाषा :— Paper XI

१. हिंदी भाषा के प्रति छात्रों में रूचि उत्पन्न करना।
२. हिंदी भाषा के प्रति प्रयुक्ति क्षेत्रों का परिचय करना।
३. भाषा के स्वरूप को समझना।
४. भाषाई वैविध्यवाले भारत देश में हिंदी के महत्व को समझना।
५. हिंदी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत कराना।

Pansare Mahavidyalaya ARJAPUR 431711 Tq. Biloli Dist. Nanded

Pansare Mahavidyalaya
ARJAPUR
431711
Tq. Biloli Dist. Nanded

हिंदी भाषा कौशल :— **Paper I, II, III, IV. SEC Hindi**

१. छात्रों में व्यवसायभिमुख कौशल विकसित करना।
२. छात्रों को कौशल के माध्यम से संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करना।
३. कौशल के अनेक क्षेत्रों से हिंदी को जोडना।
४. छात्रों के लेखन कौशल को विकसित करना।
५. कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।
६. छात्रों को कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के अवसरों से परिचित कराना।

हिंदी विभाग

प्राचार्य
Principal
Pansare Mahavidyalaya Arjapur
Tq.Biloli Dist.Nanded.